# कई बैंक चीनी मिलों को नहीं दे रहे ब्याज मुक्त ऋण

सहकारिता चीनी उद्योग संगठन एनएफसीएसएफ ने कहा कि कई बैंक नकदी संकट से जूझ रही चीनी मिलों को विशेषकर गन्ना बकाये के भुगतान के लिए ब्याज मुक्त ऋण नहीं दे रहे हैं और कुछ बैंक 'प्रोसेसिंग फीस' भी ले रहे हैं। सरकार से ऋण वितरण के मुद्दे का समाधान निकालने की मांग करते हुए एनएफसीएसएफ ने अतिरिक्त ब्याज मुक्त ऋण, चीनी सब्सिडी स्कीम का विस्तार, आयात शुल्क बढ़ाकर 40 फीसदी करने के अलावा उत्पादकों को जल्द से जल्द 6,500 करोड़ रुपये देने के मकसद से चीनी मिलों की नकदी की स्थिति को सुधारने जैसी कई अन्य मांगे रखीं। संगठन का कहना है कि देश के पास 76 लाख टन चीनी का पहले का बचा हुआ स्टॉक है, जिसमें से 30 लाख टन का आसानी से निर्यात किया जा सकता है।

भाषा

Business standard
16-9-14

JK